सूचना

यदी आप को नियमित दैनिक सुफ्फा का अंक प्राप्त नही हो रहा है या फिर आप दैनिक सुफ्फा हासिल करना चाहते है तो इस नम्बर पर संपर्क करे- 7620469536

औरंगज़ेब हुसैन (कार्यकारी संपादक)

दैनिक

सुफ्फा

आम आदमी की आवाज़..।

मुख्य संपादकः सज्जाद हुसैन अल्ताफ हुसैन

R.N.I. MAHHIN/2017/70719

epaper:suffahdailynews.com

Email:suffaakl@gmail.com

■ साल ८ वा ■ अंक ९३ ■ बुधवार १ मई २०२४ ■ अकोला ■ पृष्ठ ४ ■ मूल्य ३ रूपये

निर्वाचन आयोग ने पहले और दूसरे चरण के मतदान प्रतिशत का अंतिम डेटा अब तक जारी नहीं किया

नई दिल्ली-
२०२४ के लोकसभा चुनाव का पहला चरण १९ अप्रैल और दूसरा २६ अप्रैल को संपन्न हो चुका है, लेकिन भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने अभी तक किसी भी चरण के लिए मतदान के अंतिम आंकड़े जारी नहीं किए हैं. जो उपलब्ध आंकड़े हैं वह केवल 'अनुमानित रुझान' हैं जो ईसीआई ने दोनों चरणों के बाद शाम ७ बजे के आसपास जारी किए थे. १९ अप्रैल के लिए अनुमानित रुझान ६०% है और २६ अप्रैल के लिए ६०.९६% है. ईसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने बिजनेसलाइन को बताया कि पहले चरण में अंतिम मतदान प्रतिशत ६६.१४% और दूसरे चरण में ६६.७% रहा था. उन्होंने अखबार को बताया, 'जैसे ही हम अंतिम आंकड़े एकत्र कर लेंगे, अपनी वेबसाइट पर डाल देंगे.'यह आंकड़े अभी तक वेबसाइट पर (शेष पृष्ठ ३ पर)

'पीएम मेरी उंगली पकड़कर राजनीति में आए'पीएम मोदी के 'भटकती आत्मा' वाले बयान पर भड़के शरद पवार

मुंबई-
एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के खिलाफ की गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी से महाविकास अघाड़ी के नेता खफा हैं। उन्होंने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी की जमकर आलोचना की। दरअसल, एक दिन पहले पुणे में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने पवार को भटकती आत्मा बताया था। हालांकि, पीएम मोदी ने इस दौरान पवार का नाम नहीं लिया था। पीएम की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए पवार ने कहा कि पीएम मोदी आजकल मुझ पर काफी गुस्सा हैं। एक वक्त था, जब उन्होंने कहा था कि वे मेरी उंगली पकड़कर राजनीति में आए हैं। अब मुझे भटकती आत्मा कह रहे हैं।

हां मैं किसानों का दर्द बताने के लिए भटकता हूं। मैं महंगाई से परेशान आम आदमी का दर्द बताने के लिए भटकता हूं। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भी पीएम मोदी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की आत्मा दिल्ली से महाराष्ट्र आती है। वह भटकती है। उनकी आत्मा इसलिए भटक रही है क्योंकि चार जून के बाद महाराष्ट्र भाजपा के लिए श्मशान जैसा हो जाएगा। इसलिए पीएम मोदी की आत्मा भटक रही है। यह अघोरी आत्मा है। भाजपा का अंतिम संस्कार महाराष्ट्र में होगा। वहीं, आदित्य ठाकरे ने कहा कि पीएम ने पवार को भटकती आत्मा कहा, यह बिल्कुल सही नहीं है। यह हमारी संस्कृति के खिलाफ है। अगर उन्हें अपने काम पर इतना भरोसा है तो वे अपने काम के बारे में ही बात करें। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार से पत्रकारों ने पीएम मोदी की टिप्पणी के बारे में सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि पीएम की जब अगली सभा होगी तो मैं भी वहां रहूंगा। तब मैं उनसे पूछूंगा कि उन्होंने भटकती आत्मा किसे और किस उद्देश्य से कहा था।

राहुल गांधी को 'साहिबजादे' कहने से पहले सोचें पीएम

लोकसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों में संग्राम छिड़ा है. सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानों के तीर चल रहे हैं, इसी बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रधानमंत्री मोदी में भी जुबानी जंग छिड़ी है. इसी दौरान राहुल गांधी को शहजादे कहे जाने पर एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा है. शरद पवार ने कहा कि राहुल गांधी को शहजादे कहना ठीक नहीं. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को राहुल गांधी की आलोचना करते समय जरा विचार करना चाहिए. शरद पवार ने राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा का भी हवाला दिया और कहा कि सत्ता कभी किसी एक हाथ में नहीं रहती.शरद पवार ने कहा कि राहुल गांधी का परिवार तीन पीढ़ियों से देश के लिए लड़ाई लड़ रहा है. इस परिवार ने देश के लोकतंत्र को मजबूत करने का प्रयास किया है. उन्होंने कहा कि राहुल के परिवार ने देश के लिए कुर्बानी दी है. पहले इंदिरा गांधी की हत्या की गई, फिर उनके पिता राजीव गांधी की (शेष पृष्ठ ३ पर)

चुनाव से पहले केजरीवाल की गिरफ्तारी क्यों?

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से पूछे सवाल

नई दिल्ली-
दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी. इसी को लेकर शीर्ष अदालत में सुनवाई हुई. इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी पर पांच सवाल पूछे हैं. बता दें, इस मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी. इसमें ईडी के वकील एसवी राजू अदालत को इन सभी सवालों के जवाब देंगे.जस्टिस संजीव खन्ना ने ईडी के सामने ५ सवाल खड़े किए हैं. इसमें याचिकाकर्ता से लेकर चुनाव से पहले केजरीवाल की गिरफ्तारी तक पर सवाल पूछे गए हैं. ईडी के वकील के पास इन सभी सवालों का जवाब देने के लिए शुक्रवार तक का समय है.सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से ५ बड़े सवाल किए हैं. पहले सवाल में जस्टिस संजीव खन्ना ने पूछा कि आम चुनावों से पहले दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल गिरफ्तारी क्यों की गई? दूसरे सवाल की बात करें तो कोर्ट ने कहा, 'क्या न्यायिक कार्यवाही के बिना आप यहां जो कुछ हुआ है उसके संदर्भ में आपराधिक कार्यवाही शुरू कर सकते हैं. इस मामले में अब तक कुर्की की कोई कार्रवाई नहीं हुई है और यदि हुई है तो दिखाएं कि मामले में केजरीवाल कैसे शामिल हैं.'शीर्ष अदालत ने सवाल खड़े करते हुए कहा, 'जहां तक मनीष सिसोदिया से जुड़े मामले की बात है, पक्ष और विपक्ष में निष्कर्ष हैं, तो हमें बताएं कि केजरीवाल मामला कहां है?'सर्वोच्च न्यायलय ने कहा, 'उनका मानना है कि धारा १९ की सीमा, अभियोजन पर जिम्मेदारी डालती है न कि आरोपी पर. इस प्रकार नियमित जमानत की मांग नहीं होती. क्योंकि वे धारा ४५ का सामना कर रहे हैं और जिम्मेदारी उन पर आ गई है, तो हम इसकी व्याख्या कैसे करें. क्या हम सीमा को बहुत ऊंचा बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि जो व्यक्ति दोषी है उसका पता लगाने के लिए मानक समान हों.कोर्ट ने कहा कि कार्यवाही शुरू होने और फिर गिरफ्तारी आदि की कार्रवाई के बीच का इतने समय का अंतराल क्यों?कोर्ट ने ईडी के वकील से कहा आप इन सभी सवालों के जवाब दें. जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा इस मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को की जाएगी.

मंदिर ने दलित परिवार को परिजन के अंतिम संस्कार के लिए धन देने को मजबूर किया

नई दिल्ली-
कर्नाटक में अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय से आने वाले एक परिवार से उनके रिश्तेदार के अंतिम संस्कार के लिए एक मंदिर द्वारा कथित तौर पर धन वसूलने का मामला सामने आया है. हिंदुस्तान (शेष पृष्ठ ३ पर)

कैंपेन सॉन्ग बैन होने पर चुनाव आयोग पहुंचे आप नेता, दोहरे रवैये का लगाया आरोप

नई दिल्ली-
आम आदमी पार्टी ने अपना कैंपेन सॉन्ग लांच किया था लेकिन चुनाव आयोग ने इस पर रोक लगा दी थी. इस मामले को लेकर पार्टी का एक डेलीगेशन चुनाव आयोग से मिला. इसमें आप नेता आतिशी, सौरभ भारद्वाज, पंकज गुप्ता, दिलीप पांडे और आदिल सभी को मिलाकर कुल ५ सदस्य थें. तकरीबन ४० मिनट तक चली बैठक के बाद आप नेताओं ने चुनाव आयोग पर पक्षपात करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग को पूर्व चुनाव आयुक्त टीएन शेषन की याद दिलाई. बता दें, टीएन शेषन भारत के दसवें मुख्य चुनाव आयुक्त थे. इनको भारत के इतिहास में अब तक का सबसे सख्त चुनाव आयुक्त माना जाता है. (शेष पृष्ठ ३ पर)

उत्तराखंड: भ्रामक विज्ञापनों के चलते पतंजलि के १४ उत्पादों के लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली-
उत्तराखंड लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने बार-बार भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए पतंजलि की दिव्य फार्मेसी द्वारा बनाए गए १४ उत्पादों के मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस को रद्द कर दिया है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, नियामक के आदेश में भ्रामक विज्ञापन के कारण ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक अधिनियम के उल्लंघन का हवाला दिया गया है. आयुर्वेदिक और यूनानी सेवाओं के लिए उत्तराखंड राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण (एसएलए) ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि

उसने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक रूल्स, १९४५ के तहत बार-बार उल्लंघन के लिए पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड और दिव्य फार्मेसी के १४ उत्पादों के मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है.एसएलए ने अपने हलफनामे में कहा कि उसने दिव्य फार्मेसी और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को (शेष पृष्ठ ३ पर)

दैनिक सुफ्फा अवकाश की सूचना

महाराष्ट्र स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 'दैनिक सुफ्फा' प्रेस तथा कार्यालय में बुधवार १ मई २०२४ को अवकाश रहेगा. अतः 'दैनिक सुफ्फा' का गुरूवार २ मई २०२४ का अंक प्रकाशित नहीं होगा.

व्यवस्थापक

शरीर में बन जाते हैं खून के थक्के, दिल दिमाग पर होता है ऐसा असर, कोविशील्ड वैक्सीन से होने वाला TTS क्या है?

लंदन-
ब्रिटिश फार्मास्यूटिकल्स कंपनी एस्ट्राजेनेका ने अदालत में माना है कि उसकी कोविड-१९ वैक्सीन से दुर्लभ मामलों में साइड इफेक्ट होते हैं। इस साइड इफेक्ट को थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम के साथ थ्रोम्बोसिस नाम से जाना जाता है। कंपनी के खिलाफ ब्रिटिश अदालत में एक मुकदमा चल रहा है, जिसमें उसने इसे स्वीकार किया है। कंपनी पर आरोप है कि उसकी वैक्सीन गंभीर नुकसान और मौत से

जुड़ी है। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने कोविशील्ड वैक्सीन को विकसित किया है और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की ओर से बनाया गया है।यह वैक्सीन दुर्लभ मामलों में ऊऊए का कारण बन सकती है। कोरोना महामारी के दौरान भारत में करोड़ों लोगों को यह वैक्सीन लगाई गई थी। कंपनी के दावे से अब चिंता बढ़ गई है। थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम के साथ थ्रोम्बोसिस एक दुर्लभ स्थिति है। इससे शरीर में अलग-अलग जगहों पर खून के थक्के बन जाते हैं और रक्त में प्लेटलेट्स की संख्या कम हो जाती है। प्लेटलेट्स छोटी कोशिकाएं होती हैं, जो खून को जमने नहीं देतीं। इनका बहुत कम हो जाना खतरनाक हो सकता है। (शेष पृष्ठ ३ पर)

CMYK CMYK CMYK

अग्रलेख

चुनाव, मजदूर और चिलचिलाती गर्मी..

भीषण गर्मी से झुलसते हुए जोधपुर में एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने नगर निगम के सहयोग से अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वालों के लिए एक कूलिंग स्टेशन बनाया है। इस कूलिंग स्टेशन का उद्देश्य चिलचिलाती गर्मी में शहरी गरीबों को आश्रय देना है। यह जोधपुर के हीट ऐक्शन प्लान का हिस्सा है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें ठंडक बढ़ाने के लिए पारंपरिक तरीकों को अपनाया गया है, जैसे खस से बने पैनल, सोलर पैनल से चलने वाले बल्ब और पंखे तथा फुहार के लिए स्प्रिंकलर। यहां पीने का पानी, प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) किट भी उपलब्ध है।ऐसे समय में जब बड़े शहरों में रहने वाले लोगों सहित ज्यादातर भारतीय परिवारों के पास हर कमरे में एयर कंडीशनर (एसी) नहीं है, जोधपुर का यह प्रयोग बेहद दिलचस्प है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के दौर में अत्यधिक गर्मी, मौसम में उतार-चढ़ाव पूरे भारत और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा है। ज्यादातर लोग इस भीषण गर्मी में एयरकंडीशनर का इंतजाम नहीं कर सकते। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में यह अब भी चुनावी मुद्दा नहीं बन सका है, जबकि इसके प्रभाव स्पष्ट हैं। हाल में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के सहायक महानिदेशक और एशिया और प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक चिहोको असदा मियाकावा ने बताया कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों को प्रचंड गर्मी से लेकर खराब वायु गुणवत्ता तक का सामना करना पड़ता है और इसके प्रभावों का खामियाजा भुगतना पड़ता है। अक्सर पर्याप्त सुरक्षा के बिना काम करते रहने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं होता, भले ही स्थितियां कितनी ही खतरनाक हों।भीषण गर्मी शायद सबसे स्पष्ट चुनौती है और इस बारे में मियाकावा ने कहा कि बढ़ते तापमान में जैसे कृषि, निर्माण, मछली पकड़ने और परिवहन जैसे बाहरी काम करने वाले श्रमिकों को गर्मी से संबंधित बीमारियों और लू का खतरा रहता है। यहां तक कि घर के अंदर काम करने वाले उन श्रमिकों को भी खतरा रहता है, जहां भीषण गर्मी हो और वेंटिलेशन की व्यवस्था न हो। फैक्टरियों, खाद्य प्रसंस्करण संयंत्रों, ईंट भट्ठों और गोदामों में तेज धूप के दौरान काम करना श्रमिकों के लिए काफी खतरनाक हो सकता है।बेहतर नियमन, प्रवर्तन, शमन रणनीतियों, प्रशिक्षण और जागरूकता से स्थितियों में काफी बदलाव लाया जा सकता है। स्पष्ट है कि इसके लिए श्रमिकों का सशक्तिकरण जरूरी है, जो उन्हें नौकरी या मजदूरी खोने के डर के बिना प्रचंड गर्मी में काम रोकने की अनुमति प्रदान करे। लेकिन भारत जैसे देश में ऐसा कहना आसान है, करना कठिन, जहां ज्यादातर लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, जिन्हें न तो रोजगार अनुबंध और न ही स्वास्थ्य संबंधी सहयोग उपलब्ध है।

हुसेनी

फॅमिली रेस्टॉरंट

शादी तथा पार्टी की ऑर्डर लिये जाते है

हुसेनी कॉम्प्लेक्स, वाशिम बायपास रोड, अकोला.९४२२१६०७१२

व्हेज-नॉनव्हेज लजीज व्यंजन, औरोंके मुकाबले बेहद सस्ता और स्वादिष्ट

प्रोप्रा.हाजी सज्जाद हुसेन

यह समाचार पत्र मालक, प्रकाशक **सज्जाद हुसेन अलताफ हुसेन**, इन्होने मुद्रक - औरंगज़ेब हुसेन सज्जाद हुसेन, मुद्रण स्थल- **हुसेनी प्रिंटींग प्रेस,** हुसेनी कॉम्प्लेक्स, वाशिम बायपास, अकोला ता.जि. अकोला (महाराष्ट्र) यहा छापकर ऑफीस : **दैनिक सुफ्फा,** जनता भाजी बाज़ार, अकोला जि. अकोला यहां से प्रकाशित किया. **संपादक : सज्जाद हुसेन अलताफ हुसेन** प्रकाशित लेख और खबरों से संपादक सहमत है ऐसा नही. (पी.आर.बी.ॲक्ट के अनुसार संपादक उत्तरदायी होंगे) सभी प्रकरण अकोला न्यायालय के अंतर्गत रहेंगे.

जंग का क्या होगा? मिस्र से वापस लौटा हमास डेलिगेशन

गाजा- सोमवार को इजराइल द्वारा संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई पर दिए गए प्रस्ताव का जवाब देने के लिए हमास डेलिगेशन मिस्र पहुंचा था. यहां अधिकारियों से मुलाकात कर हमास डेलिगेशन वापस कतर लौट गया है. संघर्ष विराम वार्ता में शामिल हुए एक सूत्र के हवाले से AFP ने बताया कि डेलिगेशन कतर जाकर प्रस्ताव पर चर्चा करने के बाद अपनी प्रतिक्रिया देगा.मिस्र की खुफिया एजेंसी से जुड़ी साइट 'अल-क़ाहेरा' न्यूज के मुताबिक हमास प्रतिनिधिमंडल सीजफायर डील पर अपना लिखित जवाब भेजेगा. अमेरिका ने उम्मीद जताई है कि हमास प्रस्ताव को स्वीकार कर लेगा. बता दें कतर, मिस्र और अमेरिका महीनों से हमास और इजराइल के बीच शांति वार्ता कराने की कोशिशें कर रहे हैं.सूत्रों के मुताबिक संघर्ष विराम प्रस्तावों में इजराइली बंधकों की रिहाई के साथ इजराइल की जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई भी शामिल है. नवंबर में हुए एक हफ्ते के संघर्ष विराम के तहत ८० इजराइली बंधकों के इजराइल ने अपनी जेलों में बंद २४० फिलिस्तीनियों को रिहा किया था. अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन जंग शुरू होने के बाद से अपने सातवे मध्यपूर्व दौरे पर हैं. वे सोमवार को सऊदी अरब पहुंचे हैं. जहां उन्होंने संघर्ष विराम और क्षेत्र में शांति लाने के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ चर्चा की और GCC-US के नेताओं से मिले. बुधवार को ब्लिंकन इजराइल और जॉर्डन के लिए रवाना होंगे. अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी हमास से संघर्ष विराम के ऊपर जल्द निर्णय लेने का आग्रह किया है.लंबे समय से चले आ रहे इजराइल और फिलिस्तीन विवाद को सुलझाने के लिए यूरोपियन और मध्यपूर्व के नेताओं ने रियाद की बैठक में दो राष्ट्र समझौते पर चर्चा की है. सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने सभा को बताया कि इस दिशा में ठोस और अपरिवर्तनीय कदम उठाए जाएंगे.

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ जारी हुआ ICC का गिरफ्तारी वारंट तो क्या होगा?

गाजा- गाजा में बढ़ते मानवीय संकट के बाद अब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. गाजा में फिलिस्तीनी लोगों के नरसंहार के खिलाफ पहले ही कई देश इजराइल के साथ राजनायिक रिश्ते खत्म कर चुके हैं. अब इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट भी इजराइल के पीएम पर गिरफ्तारी के वारंट जारी कर सकता है. NBC की रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट इजराइल के पीएम के साथ इजराइली डिफेंस मिनिस्टर योव गैलेंट के खिलाफ भी गिरफ्तारी का वारंट जारी कर सकता है.खबरों के मुताबिक, इजराइल वारंट को जारी होने से रोकने के लिए राजनयिक चैनलों के जरिए काम कर रहा है. इजराइल का सबसे मजबूत साथी अमेरिका ने इस वारंट को रोकने के लिए अपनी कोशिशें तेज कर दी हैं.ICC ने अभी तक इस रिपोर्ट की पुष्टि या खंडन नहीं किया है. घ्ण ने ँघ को बताया कि वो फिलिस्तीन की स्थिति के संबंध में एक स्वतंत्र जांच कर रहे हैं और अभी इस स्तर पर कोई और टिप्पणी नहीं कर सकते हैं. घ्ण ने इजराइल के खिलाफ अपनी इंवेस्टिगेशन २०२१ में शुरू की थी. ये जांच २०१४ से वेस्ट बैंक और गाजा में इजरायली सेना और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूहों के वॉर क्राइम के संबंध में की जा रही है. बता दें २०१४ में इजराइल और हमास के बीच एक महीने तक युद्ध चला था.इंटरनेशनल कोर्ट जस्टिस और इंटरनेशनल क्रिमनल कोर्ट दोनों ही डच के शहर हेग में स्थित हैं. साल २००२ में रोम कानून के तहत घ्ण को नरसंहार, मानवता के खिलाफ अपराध, युद्ध अपराध और 'आक्रामकता के अपराध' के लिए लोगों पर मुकदमा चलाने का काम सौंपा गया था. दूसरी ओर घ्ण्ठ संयुक्त राष्ट्र की एक शाखा है जिसका काम देशों के बीच के विवादों को सुलझाना है.अगर ICC नेतन्याहू की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी करती है।

इस देश के मुस्लिमों ने गाजा के लिए छोड़ा चिकन, बंद हुए केएफसी के स्टोर

गाजा- गाजा में इजराइल के हमलों से हो रहे मानवीय नुकसान के बाद इजराइल के लिए गुस्सा पूरी दुनिया में बढ़ रहा है. जहां कई देशों ने इजराइल के साथ अपने संबंधों को खत्म किया है, तो मानवीय अधिकारों की चिंता करने वाले लोग भी दुनिया भर में अपने स्तर पर इजराइल का बहिष्कार कर रहे हैं. मलेशिया में US कंपनी KFC ने इजराइल बॉयकॉट के चलते अपने १०० से ज्यादा स्टोर बंद कर दिए हैं.कंपनी ने अपने स्टोर को बंद करने पर जारी बयान में इसकी वजह स्टोर चलाने के लिए आर्थिक स्थिति का खराब होना बताया है. चीन के अखबार 'नानयांग सियाउ पाउ' के मुताबिक अमेरिकी कंपने ने अपने १०८ आउटलेट्स को बंद कर दिया है. गाजा बॉयकॉट से केलंटन राज्य सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जहां KFC के करीब

८० फीसद स्टोर यानी २१ आउटलेट बंद हुए है.मलेशिया, सिंगापुर, ब्रुनेई और कंबोडिया में KFC के स्टोर्स को QSR ब्रांड्स नाम की कंपनी चलाती है. जिसने अपने स्टेटमेंट में स्टोर बंद होने की वजह बताते हुए कहा, 'चुनौतीपूर्ण आर्थिक परिस्थितियों और स्टोर चलाने में बढ़ती लागत की वजह से हमने अपने कुछ आउटलेट्स अस्थाई तौर पर बंद कर दिए हैं.' इसके अलावा बयान में ये भी कहा गया कि यहां काम करने वाले कर्मचारियों को बड़े स्टोरों में भेजा जाएगा. QSR वेबसाइट के मुताबिक मलेशिया में ६०० से ज्यादा KFC आउटलेट हैं. पहला आउटलेट १९७३ में कुआलालंपुर में खुला था, जिसके बाद कंपनी ने पूरे देश में अपने आउटलेट खोले हैं. गूगल मैप्स से मिली जानकारी के मुताबिक जोहोर में १५ स्टोर भी अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं। साथ ही सेलांगोर और केदाह में ११ स्टोर, तेरेंगानु में १० स्टोर, पहांग में १० स्टोर, पेराक में ९ स्टोर, ६ स्टोर बंद कर दिए गए हैं.

अफ्रीका में अपना प्रभाव बढ़ा रहा ईरान, ड्रोन और मिसाइल से बना रहा रास्ता, अमेरिका-इजरायल की बढ़ी टेंशन!

तेहरान- ईरान ने हाल के सालों में लगातार अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाया है। ईरान ने मिसाइल और ड्रोन बनाने की दिशा में भी प्रगति की है। अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर कई संगठनों के अलावा रूस को ड्रोन और मिसाइल देने के आरोप भी लगाए हैं। इस सबके बीच दो नई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ईरान व्यापार और हथियारों के निर्यात के माध्यम से अफ्रीका में अधिक प्रभाव डालना चाहता है। यूएई स्थित अल-ऐन मीडिया के दावे में बताया गया है कि कैसे ईरान अफ्रीका में अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है। वह अफ्रीकी महाद्वीप पर अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए हथियारों, व्यापार साझेदारी के साथ-साथ अराजकता का नुस्खा भी आजमा रहा है। यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट दावा करती है कि

ईरान यूक्रेन पर रूस के आक्रमण और गाजा में युद्ध जैसी घटनाओं के बाद देखी जा रही अशांति का अपने हक में इस्तेमाल कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान सूडान से प्रभाव की नई लाइनें जोड़ रहा है।

यह रिपोर्ट २३ अप्रैल को रेडियो फ्री यूरोप (आरएफई) की पिछली जांच पर आधारित है। आरएफई का कहना है कि ईरान अफ्रीका महाद्वीप पर अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए हरसंभव काम कर रहा है। तेहरान दूसरे ईरान-अफ्रीका व्यापार शिखर सम्मेलन की योजना बना रहा है, जिसमें ४० से अधिक अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। रिपोर्ट कहती है कि ईरान के लिए अफ्रीका में कई मौके मौजूद हैं, जिनका फायदा वह उठा सकता है। ईरान अफ्रीका में इसी तरह से 'निवेश' करना चाहता है, जैसे उसने यमन में हूतियों की मदद की है।

इस्राइली सेना की पांच यूनिट्स पर लगे मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप, अमेरिका ने बढ़ाया सीजफायर का दबाव

नई दिल्ली- इस्राइली सेना की पांच यूनिट्स पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगे हैं और ये आरोप अमेरिका ने लगाए हैं। अमेरिका के विदेश विभाग ने सोमवार को बताया कि इस्राइली सेना की पांच यूनिट्स मानवाधिकार उल्लंघन की जिम्मेदार पाई गई हैं। मानवाधिकार उल्लंघन की ये घटनाएं ७ अक्तूबर को हुए हमले से पहले की हैं और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं गाजा पट्टी के बाहर की बताई गई हैं। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि इस्राइली सेना की जिन पांच यूनिट्स पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगे हैं, उनमें से चार ने उल्लंघनों को प्रभावी ढंग से ठीक भी कर लिया है। पांचवीं यूनिट्स को लेकर अमेरिका की सरकार इस्राइली सरकार से बात कर रही है। वेदांत पटेल ने कहा कि हालांकि इससे अमेरिकी हथियारों की बिक्री प्रभावित नहीं होगी। पटेल ने ये बताने से इनकार कर दिया कि मानवाधिकार उल्लंघन कैसे किया गया और इस्राइली सेना की कौन-कौन सी यूनिट इसमें शामिल हैं। गाजा पर हमले के बाद इस्राइली सेना का सैन्य आचरण जांच के दायरे में आ गया है। गाजा पर हमले में अभी तक ३४,५०० फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इस्राइल के हमले

में गाजा पट्टी पूरी तरह से तबाह हो चुकी है और अब वहां अकाल आने की आशंका है। दरअसल अमेरिका में लीही लॉ लागू है, जिन्हें साल १९९० में तत्कालीन सीनेटर पैट्रिक लीही ने तैयार किया था।

अमेरिकी नौसेना से भिड़ गए यमन के हूती विद्रोही, हिंद महासागर से लाल सागर तक चार जहाज पर दागे मिसाइल

तेल अवीव: - इजरायल और हमास युद्ध के बाद से यमन के हूती विद्रोही लाल सागर में जहाजों को निशाना बना रहे हैं। इस बीच हूती विद्रोहियों ने हिंद महासागर में जहाजों पर हमले बढ़ा दिए हैं। यमन के हूती विद्रोहियों ने कहा कि उन्होंने इजरायल के विरोध में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत हिंद महासागर में ड्रोन हमले किए और एमएससी ओरियन कंटेनर जहाज को निशाना बनाया। एलएसईजी डेटा के मुताबिक पुर्तगाल के झंडे वाला एमएससी ओरियन पुर्तगाल और ओमान के बीच चल रहा था। इस जहाज का मालिक जोडियाक मैरीटाइम है। जोडियाक का स्वामित्व आंशिक रूप से इजरायली व्यवसायी इयाल ओफर के पास है। कंपनी ने अभी तक इसे लेकर कोई बयान नहीं दिया है। ईरान के समर्थन वाले हूती ने नवंबर के बाद से लाल सागर, बाब अल-मंडब स्ट्रेट और अदन की खाड़ी में बार-बार ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं, जिससे जहाजों को दक्षिणी अफ्रीका के आसपास लंबी और अधिक महंगी यात्राओं पर माल भेजने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इससे यह डर भी फैल गया है कि इजरायल हमास युद्ध फैल सकता है, जिससे मध्य पूर्व अस्थिर हो सकता है।मार्च में हूती नेता ने कहा कि समूह इजरायल से जुड़े जहाजों को हिंद महासागर से केप ऑफ गुड होप की ओर जाने से रोकने के लिए अपने हमले क्षेत्र का विस्तार कर रहा था। ईरान के समर्थन वाले हूतियों के प्रवक्ता ने मंगलवार को एक संबोधन में कहा कि माल्टा के झंडे वाले साइक्लेडेस वाणिज्यिक जहाज के साथ लाल सागर में दो अमेरिकी विध्वंसक जहाजों को

निशाना बनाया। ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा फर्म एंब्रे ने बताया था कि माल्टा के झंडे वाले कंटेनर जहाज को जिबूती से सऊदी के रास्ते में तीन मिसाइलों से निशाना बनाया गया।एंब्रे ने आकलन में कहा कि जहाज उसके रजिस्टर्ड ऑपरेटर के इजरायल के साथ व्यापार के कारण निशाना बनाया गया था। जहाजों पर हमले के खिलाफ अमेरिका और ब्रिटेन हूतियों के ठिकानों पर हमले कर चुके हैं। वहीं रविवार को खबर आई थी कि हिंद महासागर में मौजूद भारतीय नौसेना ने पनामा के झंडे वाले क्रूड ऑयल टैंकर की २६ अप्रैल को मदद की थी। यह टैंकर हूती विद्रोहियों के हमले का निशाना बन गया था।

कांग्रेस ने जारी की ४ उम्मीदवारों की लिस्ट, कांगड़ा से आनंद शर्मा और गुरुग्राम से राज बब्बर को टिकट

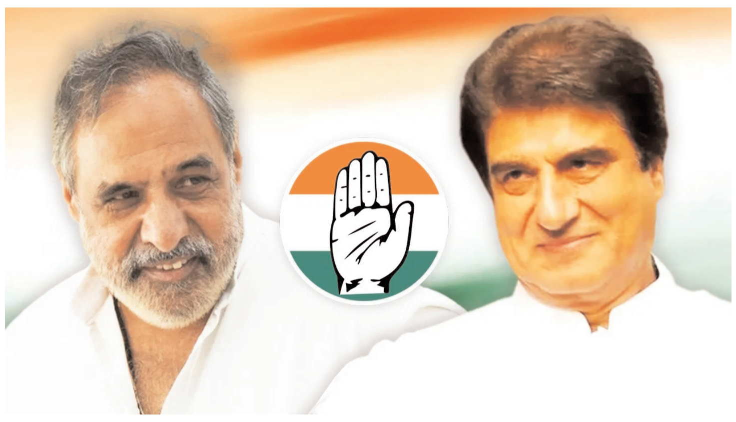

नई दिल्ली,
कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव को लेकर ४ उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है. इसमें कांगड़ा से आनंद शर्मा, गुरुग्राम से राज बब्बर, हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट से सतपाल रायजादा और मुंबई नॉर्थ से भूषण पाटिल के नाम का ऐलान किया है. राज बब्बर यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं. उनको राहुल गांधी का करीबी माना जाता है.बताते चलें कि गुरुग्राम सीट से राजद सुप्रीमो लालू यादव अपने समधी कैप्टन अजय यादव के लिए भी जोर लगाए हुए थे. इस सीट पर राज बब्बर के सामने बीजेपी के राव इंद्रजीत सिंह और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के प्रत्याशी राहुल यादव फाजिलपुरिया हैं. यहां २५ मई को वोटिंग होनी है.बता दें राज बब्बर और आनंद शर्मा दोनों उ-२३ का हिस्सा रहे हैं.

आनंद शर्मा ने हाल ही में सीडब्ल्यूसी सदस्यों को खत लिखकर जातिगत जनगणना कराने को कांग्रेस की विचारधारा के खिलाफ बताया था. शर्मा कांग्रेस सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं. इसके साथ ही वो संसद के उच्च सदन के सदस्य रहे हैं.उधर, कांगड़ा सीट पर कांग्रेस और बीजेपी से सीधे मुकाबला देखने को मिलता है. इस सीट से पिछले नौ चुनावों में सात बार भाजपा को जीत हासिल हुई है. पिछले तीन लोकसभा चुनाव बीजेपी ने लगातार जीते हैं. पहले यह सीट कांग्रेस का गढ़ हुआ करती थी. अब इस पर बीजेपी का कब्जा है.

हिमाचल प्रदेश में सातवें चरण में १ जून को मतदान होगा. मंडी, हमीरपुर, शिमला, के साथ ही कांगड़ा सीट पर वोटिंग होगी. २०१९ के लोकसभा चुनाव में कांगड़ा सीट पर भारतीय जनता पार्टी के किशन कपूर ने जीत हासिल की थी. उन्हें इस चुनाव में ७,२५,२१८ वोट मिले थे, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार पवन काजल को २,४७,५९५ वोट मिले थे. साल २०१४ में बीजेपी प्रत्याशी शांता कुमार ने जीत हासिल की थी. उन्होंने इस चुनाव में कांग्रेस के चंदर कुमार को २,८६,०९१ वोट से मात दी थी.

अंक तथा विज्ञापन के लिए संपर्क
7620469536,

लोकसभा चुनाव २०२४: कर्नाटक में कबसे मिल रहा है मुसलमानों को आरक्षण

नई दिल्ली,
उत्तर प्रदेश के आगरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने २५ अप्रैल को आयोजित रैली में कहा था कि कांग्रेस ने धर्म आधारित आरक्षण देने का संकल्प लिया है.उन्होंने कांग्रेस पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के २७ फीसदी आरक्षण में सेंधमारी का आरोप लगाया था. इस दौरान प्रधानमंत्री ने कर्नाटक का भी जिक्र किया, जहां कांग्रेस की सरकार है. उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस सरकार ने सभी मुसलमानों को ओबीसी की सूची में शामिल कर लिया है. उनका कहना था कि कांग्रेस ओबीसी के साथ अन्याय कर रही है और उसे मौका मिला तो वह देश के दूसरे हिस्सों में भी ऐसा ही करेगी.

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में जाति सर्वेक्षण और सोशियो इकोनॉमिक सर्वेक्षण की बात कही है. इसके बाद से ही भाजपा ने कांग्रेस पर हमले तेज कर दिए हैं. पिछले साल बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने जाति पर आधारित एक सर्वेक्षण कराया था. इसी तरह के एक सर्वेक्षण पर एक रिपोर्ट जयप्रकाश हेगड़े आयोग ने सौंपी थी. इसे कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने स्वीकार कर लिया है. जयप्रकाश हेगड़े को कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में उडुपी चिकमगलूर से उम्मीदवार बनाया है. अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)का मुद्दा कर्नाटक में प्रमुखता से उठाया जा रहा है. मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को अहिंदा (दलित, पिछड़े और मुसलमान)नेता के तौर पर पेश किया जा रहा है. वहीं भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का सबसे बड़ा ओबीसी नेता बता रही है. कर्नाटक में सिद्धारमैया की गारंटी बनाम मोदी की गारंटी की लड़ाई में ओबीसी आरक्षण भी एक मुद्दा बन गया है. आइए देखते हैं कि कर्नाटक में आरक्षण की लड़ाई आखिर है क्या.भारत में पहली जातिय जनगणना अंग्रेज राज में १९३१ में हुई थी. आजादी के बाद पहली सरकार अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए पढ़ाई और रोजगार में आरक्षण की व्यवस्था कर रही थी. उसी समय यह पता चला कि कई और भी जातियां पिछड़ी हुई हैं. इनका पता लगाने के लिए सरकार ने काका कालेकर आयोग का गठन १९५३ में किया था. इस आयोग ने जाति जनगणना की सिफारिश की थी.वहीं १९८० में मंडल आयोग ने देशभर में ओबीसी की ३७४२ जातियों की पहचान करते हुए उनके लिए ५२ फीसदी आरक्षण की सिफारिश की.लेकिन मंडल आयोग की सिफारिशों को मानते हुए वीपी सिंह की सरकार ने ओबीसी के लिए केवल २७ फीसदी आरक्षण लागू किया. आरक्षण पर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने १९९३ में इंदिरा साहनी मामले में आरक्षण की सीमा को ५० फीसदी तक सीमीत कर दिया. इसके साथ ही क्रिमीलेयर भी लागू कर दिया. आज यह क्रिमीलेयर आठ लाख रुपये है. आरक्षण लेने के लिए परिवार की आय आठ लाख रुपये सालाना से कम होनी चाहिए. मैसूर के राजा नलवागी कृष्णाराज वादियार ने १९१८ में मिलर आयोग का गठन किया था. इसका मकलस गैर ब्राह्मण जातियों का प्रतिनिधित्व का पता लगाना था. वहीं आजादी के बाद गठित नागना गौड़ा आयोग ने ओबीसी के लिए नौकरियों में ४५ फीसदी और शिक्षा में ५० फीसदी आरक्षण की वकालत की थी.लेकिन इससे लिंगायत को बाहर रखा गया. इससे विवाद बढ़ा और आयोग की सिफारिश पर अमल रुक गया.

जाहीर नोटीस

वि. ०८वे सह दिवाणी न्यायाधीश (क.स्तर), अकोला यांचे न्यायालयात

एम.जे.सी.नं. ६८४/२०२४ **प्रोसेस नं.:** ६२८५/२०२४

चौ. ता.: १०/०६/२०२४ **दिनांक:** ०८/०४/२०२४

अर्जदारः १. सैय्यद हसीब अली जमिरूल हुसैन, वय अं. ४२वर्षे, धंदा- व्यवसाय,
२. सैय्यद डबिरूल हुसैन सैय्यद जमिरूल हसन, वय अं. ५६ वर्षे, धंदा- व्यवसाय,
क. १ व २ रा. एसटी वर्कशॉप मागे, आझाद कॉलनी, कौलखेड रोड, अकोला, जि. अकोला.
३. सिमा नफिस खान, वय अं. ५३ वर्षे, धंदा- घरकाम,
रा. मुस्कान महेक कॉलनी, पारस, ता. बाळापूर, जि. अकोला.
४. तबस्सुम अब्दुल अयाज शेख, वय अं. ५८वर्षे, धंदा- घरकाम,
रा. सागर व्युव्ह अपार्टमेंट जवळ, मालवणे चर्च समोर, मलाड (वे), मुंबई.

.. विरुध्द ....

गैरअर्जदार :-निल.
मयताचा पत्ता:- मयतः- सैय्यद जमिरूल हसन रज्जाक अली
पत्ताः- रा. एसटी वर्कशॉप मागे, आझाद कॉलनी, कौलखेड रोड, अकोला, ता. व जि. अकोला.

या अर्थीउपरोक्त अर्जदार हयांनी मुंबई विनिमय अधिनियम १८२७, कलम २ अन्वये या न्यायालयात वारसा प्रमाणपत्र मिळण्यासाठी अर्ज केला आहे त्या अर्जामध्ये असे नमूद केले आहे की, मयत सैय्यद जमिरूल हसन रज्जाक अली यांचे दि.०५/१०/१९८७ रोजी अकोला येथे निधन झाले आहे.
वरील अर्जदार त्यांचे कायदेशिर वारस आहेत, त्याशिवाय इतर कोणीही मयतास वारस नाही. सबब वारस प्रमाणपत्र मिळण्यास अर्जदारांनी अर्ज दाखल केला आहे.
त्याअर्थी सदर अर्जामध्ये कोणाची कसल्याही प्रकारची हरकत असल्यास दिनांक १०/०६/२०२४ रोजी सकाळी ११:०० वाजता स्वतः जातीने अगर निर्दोष्ट केलेल्या वकीला मार्फत न्यायालयामध्ये हजर होउन आपली लेखी हरकत दाखल करावी. अन्यथा कोणाची कसल्याही प्रकारची हरकत नाही. असे गृहीत धरुन सदर अर्ज निकाली काढण्यात येईल. हयाची नोंद घ्यावी.
आज दिनांक ०८/०४/२०२४ रोजी माझे सही व न्यायालयाचे शिक्क्यानिशी दिले.
न्यायालय

आदेशानुसार,

न्यायालयाचा शिक्का

अधिक्षक
दिवाणी न्यायालय (व.स्तर), अकोला

इंदौर में किसी को समर्थन नहीं करेगी कांग्रेस, जनता को बताएंगे सच : एमपी अध्यक्ष जीतू पटवारी

इंदौर,
मध्य प्रदेश की हाईप्रोफाइल सीट इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने अचानक नामांकन पत्र वापस ले लिया था. नामांकन वापस लेने के बाद उन्होंने बीजेपी भी जॉइन कर ली. इस घटना से कांग्रेस हैरान है. अब मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का बयान सामने आया है. उन्होंने कहा कि इंदौर में कांग्रेस पार्टी किसी को समर्थन नहीं देगी. इंदौर में जीतू पटवारी ने कहा कि रैली निकालकर लोगों को सच बताएंगे. पहले बूथ कैप्चर होते थे. अब प्रत्याशी ही कैप्चर हो रहा है. कल का घटनाक्रम इंदौर को कलंकित करने वाला है. हमारे विधायक हारे पर हमने तो कोई गलत कदम नहीं उठाया. देश में राजनीतिक माफिया पनप रहा है.जीतू पटवारी ने कहा कि ये लड़ाई बीजेपी कांग्रेस की नही है. कांग्रेस अब चुनाव नहीं लड़ रही है. उसका चुनाव चिन्ह ही निकल गया, पर ये लड़ाई अब न्याय की है. अब इंदौर की राजनीतिक अस्मिता की लड़ाई है. चुनाव का बहिष्कार हम नहीं करेंगे.

लेकिन हमारे पास नोटा का विकल्प है.इस बार भाजपा का मजबूत गढ़ कहे जाने इंदौर में कांग्रेस ने एकदम नये-नवेले चेहरे अक्षय कांति बम (४५) को अपना उम्मीदवार बनाया था. कांग्रेस को उम्?मीद थी कि बम इंदौर में इस बार बड़ा धमाका करेंगे. लेकिन यहां नजारा कुछ और ही देखने को मिला है. अक्षय कांति बम पेशे से कारोबारी हैं और उनका परिवार शहर में निजी महाविद्यालयों का संचालन करता है. बम ने अपने राजनीतिक करियर में अब तक एक भी चुनाव नहीं लड़ा है. अगर वह चुनाव लड़ते, तो यह राजनीति में उनका पहला मुकाबला होता.

अकोला में यात्रियों को शरबत, बिस्कुट ठंडे पानी का वितरण

अकोला,
विदर्भ की भीषण गर्मी और अकोला के बढ़ते तापमान को देखते हुए रेल यात्रियों को बढ़ते तापमान से कुछ राहत देने की के लिए २९ अप्रैल सोमवार को गीतांतली एक्स ट्रेन न १२८५९ विशाखापट्टनम एक्सप्रेस ट्रेन न २०८०४ इन दो ट्रेनों में बैठे यात्री को रेल यात्री एकता मजदूर संघ एवं भारतीय रेलवे भुसावल बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दोपहर २ से ४ बजे के बीच अकोला रेलवे स्टेशन प्लेट फार्म नंबर दो पर शरबत और बिस्कुट ठंडे पानी का वितरण किया गया ट्रेन में बैठे यात्रियों ने कहा आप लोग जो गर्मी के दिनों में यात्रियों को जो पानी बाट रहे ये एक बहुत ही अच्छा उपक्रम है आप सभी भुसावल मंडल अकोला रेलवे के अधिकारी व रेल यात्री एकता मजदूर संघ का आभार माना इस समय अकोला रेलवे के सीआई विद्याधर राउत ,धीरज गीते आर पी एफ के पुलिस निरीक्षक यूनुस खान रेल यात्री एकता मजदूर संघ के नंदगोपाल पांडे,श्याम पांडे,एजाज अहमद, ललित पांडे, एड मंजूषा कूचे, स्मिता नगराले, ज्योति बावस्कर फूला बाई राठौड़ मेंफूजा परवीन, कोकिला गजबिये,प्रणिता धमांदे, अलका बांगर,ममता केरपपोटले, रहेमांन भाई, रेल यात्री एकता मजदूर संघ के ये सभी यात्रियों को ठंडे पानी वितरण करने के लिए उपस्थित थे।

मुंबई में नामांकनों का दौर, पीयूष गोयल ने नॉर्थ मुंबई तो वर्षा गायकवाड ने नॉर्थ सेंट्रल सीट से भरा पर्चा

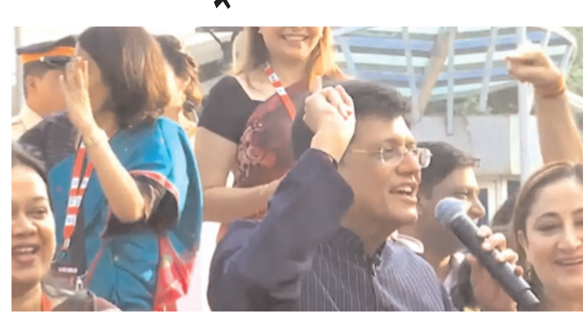

मुंबई,
मुंबई में मंगलवार को नामांकनों का दौर चलता रहा. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने जहां उत्तर मुंबई लोकसभा सीट से शक्ति प्रदर्शन के साथ पर्चा भरा, तो वहीं उत्तर मध्य सीट से कांग्रेस उम्मीदवार वर्षा गायकवाड़ ने अपना नामांकन दाखिल किया. इस दौरान सुनील दत्त की बेटी और कांग्रेस नेता प्रिया दत्त भी मौजूद थीं. चिलचिलाती धूप में निकले नामांकन जुलूस में समर्थकों का जोश भी देखने लायक़ था.पीयूष गोयल के नामांकन के समय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद ओम बिरला भी मौजूद थे. इससे पहले वो आशीर्वाद के लिए गणपति दरबार भी पहुंचे. दक्षिण मध्य सीट वर्षा गायकवाड की पुश्तैनी सीट थी, लेकिन इन्हें नहीं मिली, नाराज़गी दूर करने के लिए वर्षा को उत्तर मध्य सीट से उम्मीदवार बनाया गया. लेकिन अब इन्हें 'बाहरी नेता' भी बुलाया जा रहा है.

(पृष्ठ १ पर से..)

शरीर में बन जाते हैं खून के थक्के, दिल दिमाग पर होता है

यह मामले उन लोगों में देखने को मिले हैं जिन्होंने वैक्सजेवरिया, कोविशील्ड (एस्ट्राजेनेका) और जॉनसन एंड जॉनसन/जानसेन कोविड-१९ वैक्सीन जैसे एडेनोवायरल वेक्टर कोविड-१९ टीके लगवाए थे। टीटीएस इसलिए होता है क्योंकि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली एंटीबॉडी बनाकर टीके के प्रति प्रतिक्रिया करती है जो रक्त के थक्के जमने से रोकने में शामिल प्रोटीन पर हमला करती हैं। अमेरिका की सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल(एंड प्रिवेंशन के मुताबिक टीटीएस दो तरह के टियर में होते हैं।

टियर-१ दुर्लभ रक्त के थक्के जो मस्तिष्क या आंत में, कभी-कभी पैरों या फेफड़ों में अधिक सामान्य रूप से जम जाते हैं।कम प्लेटलेट का होना। (१५०,००० प्रति माइक्रोलीटर से नीचे)पॉजिटिव एंटी-पीएफ-४ एलिसा टेस्ट इसके निदान की पुष्टि करने में मदद कर सकता है। लेकिन हमेशा इसकी जरूरत नहीं होती।

टियर-१ के मामले आमतौर पर ज्यादा गंभीर और जोखिम भरे होते हैं।

युवा लोगों में यह ज्यादा आम है।

टियर-२ पैरों या फेफड़ों में सामान्य रक्त के थक्के। प्लेटलेट का लगातार गिरना। १५०,००० प्रति माइक्रोलीटर से नीचे।

पॉजिटिव एंटी-पीएफ-४ एलिसा टेस्ट इसका पता लगाने के लिए जरूरी है।टीटीएस के लक्षणों में गंभीर सिरदर्द, पेट दर्द, पैरों में सूजन, सांस लेने में परेशानी और सोचने में समस्या या दौरे पड़ना शामिल हो सकता है। वैक्सीन लगवाने के बाद इस तरह के लक्षण वाले लोगों को तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। अगर किसी महत्वपूर्ण रक्त वाहिका में थक्का जम जाए तो दिल का दौरा या स्ट्रोक जैसी गंभीर स्थिति हो सकती है।

निर्वाचन आयोग ने पहले और दूसरे चरण के

नहीं हैं.हालांकि, बिजनेसलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक वेबसाइट से केवल मतदान संबंधी डेटा ही गायब नहीं है. एक और अन्य आंकड़ा जो गायब है, वो प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या है.रिपोर्ट के मुताबिक, अखबार में कहा गया है, 'जब बिजनेसलाइन ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या जानने की कोशिश की, तो हमें उत्तर प्रदेश जैसे कुछ चुनिंदा राज्यों की बूथ-वार मतदान सूचियां मिलीं. यह डेटा ओडिशा, बिहार या यहां तक कि दिल्ली के लिए भी उपलब्ध नहीं है. यदि कोई बिहार या ओडिशा के मतदाताओं की संख्या जानने का प्रयास करता है, तो अंतिम पेज पर एक एरर मैसेज दिखाई देता है, जबकि इस पेज पर जानकारी होनी चाहिए थी.'उल्लेकनिय है कि इससे पहले द वायर ने बताया था कि अब तक अनुमानित मतदान प्रतिशत २०१९ के लोकसभा चुनावों की तुलना में कम रहा है.द वायर के पॉलिटिकल एडिटर अजॉय आशीर्वाद महाप्रशस्त ने लिखा था, 'एक व्यक्ति को मतदान प्रतिशत में गिरावट को किस तरह समझना चाहिए? राजनीतिक विश्लेषक योगेंद्र यादव जैसे मोदी सरकार के आलोचक इस प्रवृत्ति को केंद्र के प्रति स्पष्ट उदासीनता के रूप में देखते हैं, और दावा करते हैं कि गैर-एनडीए दलों की तुलना में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की सीटों पर मतदान प्रतिशत में गिरावट अधिक है. लेकिन भाजपा समर्थकों का मानना है कि भीषण गर्मी इसका कारण हो सकती है, और उन्हें लगता है कि मोदी सरकार का विरोध करने वाले शायद इस बात से खीज कर मतदान के लिए नहीं आए होंगे कि प्रधानमंत्री का दोबारा चुना जाना पूर्व निर्धारित है.'उन्होंने लिखा, 'ष्ठ लोकसभा चुनाव सामान्य कामकाज की तरह आयोजित किए जा रहे हैं. स्वयं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ अभूतपूर्व घृणास्पद टिप्पणियां की हैं, जिन पर ईसीआई ने वास्तव में कोई हस्तक्षेप नहीं किया है. कुछ क्षेत्रीय नेताओं को छोड़कर विपक्षी दलों ने अपने कैडर को संगठित करने और संसाधन जुटाने में संघर्ष किया है, जिससे यह धारणा बनती है कि मोदी शासन द्वारा की गई ज्यादतियों को चुनौती देने वाला कोई विश्वसनीय व्यक्ति नहीं है.'वह आगे लिखते हैं, 'सभी देख सकते हैं कि चुनाव में समान अवसर का अभाव है. यह अब रहस्य नहीं रह गया है. १८वीं लोकसभा चुनने के लिए हो रहे चुनावों में स्थानीय चिंताएं हावी हैं, चुनाव प्रचार में दोहराव से थकान स्पष्ट दिखाई देती है. और यही असली कारण हो सकता है कि मोदी सरकार के समर्थकों और उसके आलोचकों दोनों के बीच मतदान प्रतिशत कम हो रहा है.'

मंदिर ने दलित परिवार को परिजन के अंतिम संस्कार के

टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, मामला चिक्काबल्लापुरा जिले का था. बाद में पुलिस ने इस परिवार को पैसे वापस दिलाने में मदद की.इससे एक दिन पहले गौरीबिदानूर में एक अनुसूचित जाति की महिला के अंतिम संस्कार को कथित तौर पर इसलिए रोक दिया गया था क्योंकि उनका परिवार मंदिर की 'डोनेशन' की मांग पूरी नहीं कर सका था. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था.पुलिस के अनुसार, आदि कर्नाटक समुदाय से ताल्लुक रखने वाली हनुमक्का (५५) का शनिवार (२७ अप्रैल) रात गौरीबुदनूर तालुक के गोटकनापुर में निधन हो गया था. इसके बाद स्थानीय मंदिर के पदाधिकारियों ने दाह संस्कार की अनुमति देने से पहले परिवार को गोटकानापुरा में सत्यम्मा देवता मंदिर में २५,००० रुपये देने को कहा.पुलिस ने बताया कि मंदिर पदाधिकारियों द्वारा आदि कर्नाटक समुदाय पर लगाया गया 'दाह संस्कार शुल्क' ३,००० रुपये था. हालांकि, इस मृतक के परिवार से २५,००० रुपये की मांग की जा रही थी क्योंकि वे एक चिट फंड मामले में पुजारी को इतनी ही राशि लौटा नहीं पाए थे.बताया गया है कि शोक संतप्त परिवार की आर्थिक मुश्किलों का हवाला देते हुए की गई अपील के बावजूद मंदिर पदाधिकारी अपनी मांग पर अड़े रहे. नतीजतन, परिवार ने जैसे-तैसे क़र्ज़ लेकर तीन हज़ार रुपये का इंतज़ाम किया, जिसके बाद रविवार को अंतिम संस्कार किया गया.सोमवार (२९ अप्रैल) को सर्कल इंस्पेक्टर सत्यनारायण और समाज कल्याण अधिकारी चन्नप्पा ने घटनास्थल का दौरा किया, स्थानीय बुजुर्गों की एक बैठक बुलाई और उन्हें शोकाकुल परिवार को ३,००० रुपये लौटाने को कहा.गौरीबिदानूर के तहसीलदार महेश मेत्री ने कहा, 'मंदिर गड्ढे खोदने और दाह संस्कार के अन्य खर्चों के लिए आदि कर्नाटक समुदाय के प्रत्येक परिवार से ३,००० रुपये की मांग कर रहा है. गांव में कब्रिस्तान की ज़मीन सरकार द्वारा प्रदान की गई है, इसलिए इसके इस्तेमाल के लिए किसी को भी कोई भुगतान नहीं करना चाहिए.'

उत्तराखंड: भ्रामक विज्ञापनों के चलते

१५ अप्रैल, २०२४ को आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि उनके १४ उत्पादों – 'स्वसारि गोल्ड', 'स्वसारि वटी', 'ब्रॉन्चोम', 'स्वसारि प्रवाही', 'स्वसारि अवालेह', 'मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर', 'लिपिडोम', 'बीपी ग्रिट', 'मधुग्रिट', 'मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर', 'लिवामृत एडवांस', 'लिवोग्रिट', 'आईग्रिट गोल्ड' और 'पतंजलि दृष्टि आई ड्रॉप' के मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है.इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए, जस्टिस हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने १० अप्रैल को एसएलए से कंपनी के कथित भ्रामक दावों के लिए उसके खिलाफ की गई कार्रवाई के बारे में सूचित करने को कहा था.अपने जवाब में एसएलए ने यह भी कहा कि, '१६.०४.२०२४ को ड्रग इंस्पेक्टर/जिला आयुर्वेदिक और यूनानी अधिकारी हरिद्वार ने स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण, दिव्य फार्मेसी और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के खिलाफ सीजेएम हरिद्वार के समक्ष डीएमआर अधिनियम की धारा ३, ४ और ७ के तहत एक आपराधिक शिकायत दर्ज की है.'एसएलए ने कहा कि उसने २३ अप्रैल को उत्तराखंड में सभी आयुर्वेदिक, यूनानी दवा कारखानों को आयुष मंत्रालय के पत्र का संदर्भ देते हुए लिखा था, जिसमें निर्देश दिया गया था कि, 'प्रत्येक आयुर्वेदिक/यूनानी दवा कारखाने को ड्रग एंड मैजिक रेमेडीज अधिनियम, १९५४ का सख्ती से पालन करना होगा. कोई भी दवा फैक्ट्री अपने उत्पाद के लेबल पर आयुष मंत्रालय द्वारा अनुमोदित/प्रमाणित जैसे दावों का उपयोग नहीं करेगी.'उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण (एसएलए) ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ की गई शिकायतों पर दो साल से अधिक समय तक कोई कार्रवाई नहीं की थी.हाल ही में आयुष मंत्रालय ने अदालत में एक हलफनामा दायर कर कहा था कि उत्तराखंड राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ़ की गई शिकायतों पर चेतावनी देने और कंपनी को विज्ञापन बंद करने के लिए कहने के अलावा दो साल से अधिक समय तक कोई कार्रवाई नहीं की.मालूम हो कि केरल के डॉक्टर केवी बाबू ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कई बार केंद्र सरकार को पत्र लिखा था. बीते फरवरी महीने में लिखे पत्र में केंद्र से शिकायत करते हुए उत्तराखंड के अधिकारियों पर केंद्र के कई निर्देशों और प्रधानमंत्री कार्यालय के हस्तक्षेप के बावजूद पतंजलि के हर्बल उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों को लेकर पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ कार्रवाई न करने का आरोप लगाया था.

कैंपेन सॉन्ग बैन होने पर चुनाव आयोग पहुंचे

आतिशी ने आयोग पर आरोप लगाते हुए कहा कि हम २२ मार्च से समय मांग रहे थे. अब जाकर के समय मिला है. हमने चुनाव आयोग को बताया कि अगर बीजेपी शिकायत करती है तो आयोग तुरंत एक्शन लेते हुए नोटिस भेज देता है. लेकिन हम एक महीने से शिकायत के बाद कार्रवाई के लिए इंतजार कर रहे हैं.हमने आयोग से पुछा कि हमारे कैंपेन सॉन्ग को लेकर तो नोटिस भेजा लेकिन चुनावों से ठीक पहले अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर कोई नोटिस नहीं भेजा. चुनाव आयोग को आम आदमी पार्टी के चुनावी थीम सॉन्ग पर तो आपत्ति दर्ज करता है लेकिन भाजपा नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री के आपत्तिजनक पोस्टर्स पर कुछ नहीं कहता.

राहुल गांधी को 'साहिबजादे'

हत्या कर दी गई. पिता और दादी ने देश के लिए बलिदान दिया. शरद पवार ने रोष प्रकट किया कि अब वे राहुल गांधी से पूछते हैं कि साहिबजादे क्या करेंगे? शरद पवार ने कहा कि कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली है. जनता के सवालों को करीब से जाना समझा है. लेकिन नरेंद्र मोदी इस पर बात करने के बजाय कुछ भी बोलते हैं. उन्होंने कहा कि राजनीति में आलोचना अलग बात है के लेकिन ऐसे शब्दों के प्रयोग से बचना चाहिए.शरद पवार ने कहा कि पीएम मोदी को ऐसे शब्दों से बचना चाहिए. उन्हें तो किसानों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए, लोगों को महंगाई और बेरोजगारी से बचाना चाहिए, लेकिन अफसोस कि इस पर नहीं बोलते हैं. एनसीपी प्रमुख ने कहा कि सत्ता का दुरुपयोग ठीक नहीं. सत्ता का उद्देश्य जनहित की सेवा करना है. शरद पवार ने कहा कि आज शासक इस बात को भूल गए हैं.

३० अप्रैल को अकोला रहा सबसे हॉट

अधिकतम तापमान ४३.९ डिग्री सेल्सियस, अभी पूरा मई महीना है बाकी

अकोला-
मंगलवार ३० अप्रैल २०२४ को अकोला जिला पूरे महाराष्ट्र में सबसे हॉट रहा. मंगलवार ३० अप्रैल २०२४ को अकोला जिले का अधिकतम तापमान ४३.९ डिग्री सेल्सियस रहा जबकि न्यूनतम तापमान २७.५ डिग्री सेल्सियस रहा.इस साल भीषण गर्मी अपना ही रिकॉर्ड तोड़ रही है. सुबह ९:०० बजे से ही गर्मी का एहसास होने लगता है और दोपहर तक लोगों का घर से बाहर निकलना तक मुश्किल हो रहा है.दिन में झुलसा देने वाली गर्मी और रात के समय जान घबराने वाली उमस के कारण अकोला जिले के नागरिकों का जीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है.दोपहर के समय मुख्य सड़के खाली और वीरान नजर आ रही है. भीषण गर्मी और धूप के कारण बाजार व्यापार पर विपरीत परिणाम पड़ा है. अधिकांश लोग शाम ७:०० बजे के बाद ही घर से निकलना सही समझ रहे हैं. अप्रैल २०२४ के अंतिम तारीख को अकोला जिला महाराष्ट्र भर में सबसे गर्म रहा. जिसे अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाला मई महीना क्या कहर बरसाने वाला है.अधिकांश नागरिक दोपहर से लेकर शाम के समय तक बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं. यदि निकालना जरूरी है तो सफेद कपड़ा बांधकर बाहर निकल रहे हैं.अगले महीने नौतपा भी पढ़ने वाला है यह ९ दिन पूरे ग्रीष्म काल के सबसे गर्म होते हैं. इस साल की गर्मी का ३० अप्रैल २०२४ का दिन सबसे गर्म रहा. वाहन चालक भी गर्म लू के थपेड़े सहते हुए अपने वाहन दौड़ते नजर आए. पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और जंगल के जंगल साफ किए जाने के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है. भीषण गर्मी में बेमौसम की बारिश, आंधी तूफान और बिजली कड़क रही है. वहीं दूसरी और ग्रीष्मकल भी अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने पर आमादा है.भीषण गर्मी से बचने के लिए लोग घरेलू उपाय योजना कर रहे हैं. ऐसे समय कैरी का पना, मट्ठा, लस्सी और गन्ने के रस को प्राथमिकता दे रहे हैं.आने वाले महीने में भीषण गर्मी क्या ३० अप्रैल २०२४ का हॉट होने का रिकॉर्ड तोड़ेगी इस और सभी का ध्यान लगा हुआ है. भीषण गर्मी को देखते हुए आगामी महीने से लोग अभी से डरते नजर आ रहे हैं.

लू से बचाव हेतु सतर्कता का आह्वान

जिला प्रशासन ने लू से बचाव के लिए सतर्कता बरतने की अपील की है.गर्मी के तनाव के प्रभाव से मनुष्यों, जानवरों और फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव को रोकने के लिए दिशानिर्देश उपलब्ध हैं।

क्या करें- पतले, झरझरा, सूती कपड़ों का प्रयोग करें। अगर आपको प्यास नहीं है तो भी जितना हो सके उतना पानी पियें। बाहर निकलते समय चश्मा, छाता, टोपी का प्रयोग करना चाहिए। यात्रा के दौरान अपने साथ पानी की बोतल रखें। गर्मियों में काम करते समय सिर पर टोपी, रुमाल, दुपट्टा पहनना चाहिए। शरीर में पानी की मात्रा कम होने पर नींबू पानी, छाछ, शरबत, ओआरएस आदि का नियमित सेवन करना चाहिए। कमजोरी, मोटापा, सिरदर्द, लगातार पसीना आना और चक्कर आना जैसे लक्षण होने पर डॉक्टर से सलाह लें। पशुधन और घरेलू पशुओं को शिविर में रखा जाना चाहिए, और पर्याप्त पीने का पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। घर को ठंडा रखने के लिए पर्दे, शटर, सनशेड का प्रयोग करना चाहिए। रात के समय खिड़कियाँ खुली रखें। कार्यस्थल पर ठंडा पेयजल उपलब्ध होना चाहिए। गर्भवती महिला श्रमिकों एवं बीमार श्रमिकों का अधिक ध्यान रखा जाए।

यह नहीं करना है- बच्चों को बंद या पार्क किए गए वाहन में नहीं बिठाना चाहिए। दु. १२.३० से ३.३० बजे के बीच धूप में निकलने से बचें. गहरे, तंग और मोटे कपड़े पहनने से बचें। यदि बाहर का तापमान अधिक है तो शारीरिक गतिविधियों से बचना चाहिए। गर्मियों के दौरान खाना पकाने से बचें और रसोई के दरवाजे और खिड़कियां खुली रखें। चाय, कॉफी, शीतल पेय, शराब से बचना चाहिए। जितना हो सके धूप में गाड़ी चलाने से बचें। ज्वलनशील पदार्थों से दूर रहें.

सावधान..... बाल विवाह किया तो जानी पड़ेगी जेल

२ लाख रुपए दंड अथवा ५ साल तक सजा का प्रावधान

अकोला-
बाल विवाह में शामिल विवाह पत्रिका छापने वाले, बाजा बजाने वाले, मंगल कार्यालय चालक, पंडित पुरोहित और बाराती इन सभी पर अपराध दाखिल के जाते हैं. अकोला जिले में कहीं भी बाल विवाह होने पर उसमें शामिल सभी को जेल जाना होगा, इस प्रकार के संकेत जिला महिला व बाल विकास अधिकारी गिरीश पुसदकर ने दिए हैं.जिला बाल विवाह मुक्त करना यह सभी की जिम्मेदारी है. विवाह के समय लड़की की आयु १८ वर्ष एवं लड़के की आयु २१ वर्ष तय की गई है. परंतु फिर भी बाल विवाह किए जाने की बात सामने आ रही है. ऐसे विवाह शामिल लोगों पर बाल विवाह प्रतिबंध अधिनियम के अनुसार दो लाख रुपए दंड अथवा ५ साल की कैद अथवा दोनों दंड लगाई जा सकते हैं.प्रिंटिंग प्रेस, मंगल कार्यालय चालक, बाल विवाह में बाजा बजाने वाले, बाल विवाह करने वाले पंडित और ऐसे विवाह समारोह में शामिल होने वाले बाराती पर अपराध दाखिल किए जाते हैं.गांव के सरपंच, पुलिस पाटिल एवं ग्राम सेवक अपने गांव में बाल विवाह ना हो इसकी खबरदारी लेना आवश्यक है. ग्राम सेवक बाल विवाह प्रतिबंध अधिनियम के अनुसार विवाह प्रतिबंध अधिकारी है. शहर भाग के लिए बाल विकास प्रकल्प अधिकारी यह है. सरपंच यह ग्राम बाल सुरक्षा समिति के अध्यक्ष होते हैं जबकि पुलिस पाटिल यह सदस्य है. पुलिस पाटिल यह गांव एवं पुलिस थाने को जोड़ने वाला मुख्य अंग है. गांव में किसी का विवाह निश्चित होने पर उसे लड़के लड़की की आयु कितनी है इसका पता करें ताकि गांव में बाल विवाह नहीं होगा और अकोला जिला यह बाल विवाह मुक्त जिला होगा. इस प्रकार का आवाहन जिला महिला को बाल विकास अधिकारी ने किया है.

अकोला पुलिस कर्मचारी की करंट लगने के कारण मौत, पुलिस विभाग में मचा हड़कंप

अकोला-
भीषण गर्मी और भारी उमस के कारण सभी के घरों में कूलर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चलाए जा रहे हैं. परंतु इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का इस्तेमाल करते समय आवश्यक सावधानी बरती नहीं जा रही है.अकोला के खदान पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले मलकापुर के अंबिका नगर निवासी अकोला पुलिस कर्मचारी ५७ वर्षीय गणेश रामराव सोनोने की मौत करंट का तेज झटका लगने के कारण हो गई. पुलिस कर्मचारी गणेश रामराव सोनोने तो सुबह ६:१५ बजे के दौरान करंट का तेज झटका लगा. जिसके कारण पुलिस कर्मचारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. अकोला पुलिस कर्मचारियों की करंट के कारण मौत होने की वजह से पुलिस विभाग में खलबली मच गई है. खदान पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है.

अकोला जिलाधिकारी कार्यालय में राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज का अभिवादन

अकोला-
राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी कार्यालय के लोकशाही सभागृह में अभिवादन कार्यक्रम लिया गया. सहायक अधीक्षक शिवहरि थम्बे, ने राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्प हार अर्पण कर अभिवादन किया. इस अवसर पर नाझर प्रशांत देशमुख, सर्ज राव थोरात, सुमेध आठवले, अर्चना उज्जवने, दीपिका केदार, अंजली पांडे आदि उपस्थित थे.

शहर के गंगानगर में आग का तांडव, लगातार दूसरे दिन आग की घटना से मचा हड़कम

अकोला-
अकोला शहर के वाशिम बाईपास स्थित गंगानगर के नूर टावर के पास अराफात खान के बंद मकान में अचानक आग लगने की घटना हुई.यह घटना मंगलवार ३० अप्रैल की सुबह ९:३० बजे के दौरान प्रकाश में आई. प्राप्त जानकारी के अनुसार मकान में यह आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है इस प्रकार का अनुमान लगाया जा रहा है. बंद मकान से बड़े प्रमाण में धुआं निकलता देख परिसर के नागरिकों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन इस दौरान मकान के भीतर रखें रेफ्रिजरेटर के कंप्रेसर में जोरदार विस्फोट हो गया. जिसके कारण आग बुझाने का प्रयास कर रहे तीन से चार युवक मामूली रूप से झुलस गए. रेफ्रिजरेटर के कंप्रेसर में विस्फोट के कारण आग की लपटे २० से ३० फीट चली गई थी. जिसके कारण आसपास रहने वाले नागरिकों में डर का वातावरण पैदा हो गया था.इस घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी और फायरफाइटर घटनास्थल पर पहुंचे थे. फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों की सहायता से इस आग पर काबू पाया जा सका. इसके बाद नागरिकों ने राहत की सांस ली. रूम टावर के पास रहने वाले अराफात खान का मकान बंद होने के कारण इस घटना के कारण कितना नुकसान हुआ है इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है.

अकोला पुलिस दल के सेवानिवृत्ति पुलिस अधिकारी एवं कांस्टेबल का पुलिस अधीक्षक के हाथों किया गया सत्कार

अकोला- जिला पुलिस दल के अप्रैल २०२४ में सेवानिवृत हुए एक अधिकारी और पांच कांस्टेबल सेवानिवृत हुए हैं पुलिस अधीक्षक बच्चन सिंह के मार्गदर्शन में सेवानिवृत पुलिस और उनके परिवार का सत्कार समारोह का आयोजन एसपी कार्यालय विजय हॉल में ३० अप्रैल २०२४ को सुबह ११:०० बजे किया गया.सेवानिवृत सहायक पुलिस उप निरीक्षक सुनील ओमकार नवलखे, सहायक पुलिस उपरीक्षक प्रहलाद शालिग्राम गवई, सहायक पुलिस निरीक्षक संजय वसंत राव पटेकर, सहायक पुलिस निरीक्षक भास्कर रायबन इंग् ले, सहायक पुलिस उप निरीक्षक श्रीरंग आनंद राव चिंचोलकर, सहायक पुलिस उप निरीक्षक श्री कृष्णा गावंडे का पुलिस अधीक्षक के हाथों शाल श्रीफल और भेंट वस्तु देकर सत्कार किया गया. इस अवसर पर सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों ने अपने विचार व्यक्त किया. उसके बाद पुलिस अधीक्षक ने मार्गदर्शन किया और अपना स्वास्थ्य ठीक रखना की सलाह दी. इस कार्यक्रम में सेवानिवृत पुलिस कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे.इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्रीमती धनश्री बोंड, ने परिश्रम किया इस कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन प्रभारी पुलिस उप अधीक्षक विजय नाफड़े ने किया जबकि संचालन पुलिस कांस्टेबल गोपाल मुकुंद ने किया.

पुलिस को परेशान करने के इरादे से झूठी सूचना देने के लिए पुलिस स्टेशन

अकोला-
पुलिस स्टेशन खदान, अंतर्गत दिनांक २९ अप्रैल की शिकायत कर्ता पुलिस कर्मी देवेन्द्र श्रीकृष्ण चव्हाण नियुक्त नियुक्ती पुलिस स्टेशन खदान तााि उनके साथ ड्यूटी पर गजानन अंबारे इन्हें रात में डायल ११२ पर मो.नं. ८७९३३१२७७२ से कॉलर देवराव साठे ने मोबाइल फोन पर कॉल कर बताया कि उसने ०९ लोगो के साथ अजमेरी उर्दू हाई स्कूल सिंधी में दोपहर का भोजन किया है व पत्नी की हत्या की है। पुलिस कर्मी देवेन्द्र चव्हाण इन्हें सूचना मिलने के बाद वह अपने सहयोगी के साथ मौके पर गए और फोन करने वाले व्यक्ति से मिले और उससे पूछताछ की हालाँकि, जिस किसी ने भी उक्त स्थान का निरीक्षण किया था, वह असंतोषजनक उत्तर दे रहा था तथा किसी भी प्रकार की घटना होती हुई दिखाई नही दी जिसके बाद आरोपी देवराव साठे सिंधी कैंप, खदान निवासी द्वारा पुलिस अपनी सरकारी ड्यूटी कर रही थी तब उन्हें मोबाइल नंबर ८७९३३१२७७२ से कॉल किया. २९/०४/२०२४ की रात्रि को ०१.३७ खाजा अजमेरी उर्द हाई स्कूल, अकोला में डायल ११२ पर कॉल करके परेशानी पैदा करने के इरादे से तीन बार झूठी सूचना देने पर कि उसकी पत्नी की हत्या कर दी गई है ऐसा झुठा कहने पर उसके खिलाफ ०५७१/२०२४ धारा १८२ भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महानगर पालिका उप आयुक्त गीता ठाकरे द्वारा जलकुंभी निकालने के काम का किया मुआएना

अकोला-
अकोला शहर के मध्य भाग से बहने वाली मोरना नदी मैं बड़े प्रमाण में जलकुंभी निर्माण हो गई थी जिसके कारण महानगर पालिका आयुक्त तथा प्रशासक डॉ सुनील लहाने क्या आदेश पर इस प्रकार महानगर पालिका उप आयुक्त गीता ठाकरे के मार्गदर्शन में मोरना नदी की जलकुंभी निकालने का काम महानगरपालिका द्वारा युद्ध स्तर पर शुरू किया गया है यह काम अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है.

मंगलवार ३० अप्रैल को महानगर पालिका उप आयुक्त गीता ठाकरे ने मोरना नदी की जलकुंभी निकालने के काम को देखा. इस अवसर पर महानगरपालिका उप आयुक्त ने नदी किनारे भैंसों का व्यवसाय करने वाले नागरिकों तथा परिसर मैं रहने वाले नागरिकों से संवाद करते हुए उन्हें नदी में गोबर और कचरा नहीं डालने के संदर्भ में सूचना दी इस प्रकार यहां कचरा घंटा गाड़ी की व्यवस्था कराई गई.

शहर के नागरिक नदी में अथवा नदी किनारे कचरा ना फेके. निर्मल्य नदी में ना डालते हुए घर की कुंडी अथवा झाड़ में डालें अथवा खुली जमीन में गड्ढा कर उसमें डालें और नदी स्वच्छ रखने के लिए महानगर पालिका का सहयोग करें.

मोरना नदी की जलकुंभी निकालने का काम अंतिम चरण में है. मोरना नदी महानगर पालिका क्षेत्र के आकोली से रेलवे ब्रिज तक ४.३ किलोमीटर के पत्र में थी और अभी तक तकरीबन ३ किलोमीटर तक जलकुंभी निकालने का काम पूरा हो गया है. आने वाले ८ से १० दिनों में इस नदी की संपूर्ण जलकुंभी निकलने का काम पूरा होगा इस प्रकार की जानकारी उपयुक्त गीता ठाकरे ने दी.

इस अवसर पर महानगर पालिका उप आयुक्त गीता ठाकरे, जनसंपर्क अधिकारी भरत शर्मा, सर्पमित्र बाल कालने, योगेश मालोकारि उपस्थित थे.

अकोला शहर के अधिकांश परिसर मे बिजली की आंख मिचौली से नागरीक भरी गर्मी मे परेशान

- ट्रान्सफार्मरों की कमी के कारण एक ही ट्रान्सफार्मरो पर आ रहा अधिक भार, पारा पहुंचा ४३ के पार
- जिसके चलते गर्मी के मौसम मे नागरीक हो रहे परेशान

अकोला-
अकोला शहर मे बिजली भरी गर्मी मे आंख मिचौली खेल रही है जिसका मुख्य कारण ट्रान्सफार्मरो की कमी होने के कारण बिजली कनेक्शन एक ट्रान्सफार्मरों मे ज्यादा होने से वह भार संभाल नही पा रहे है जिसके चलते बिजली खंडीत हो रही है। जिसकी ज्यादा समस्या यह प्रभाग क्रमांक ९ खैर मोहम्मद प्लाट में महावितरण कंपनी बार बार बिजली बंद कर के प्रभाग क्रमांक ९ के नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार कर रही है ऐसा आरोप परिसर के नागरिकों ने सामाजिक कार्यकर्ता शेरा पहेलवान की अगुवाई में निवेदन दे कर लगाया है।आपको बता दे कि प्रभाग क्रमांक ९ खैर मोहम्मद प्लॉट के कुछ भागों में बिजली बार बार गुल हो रही है जिस में भगतवाड़ी परिसर एक ऐसा भाग है जहां रोजाना महावितरण कंपनी बार बार बिजली बंद कर देती है जिस के कारण परिसर के नागरिकों को कई दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। इतनी कड़ी धूप होने के कारण पहले ही धूप का पारा बढ़ा हुआ है जिस के कारण घरों में छोटे छोटे बच्चे, व बुज़ुर्गो को इतने भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है घरों में बीमार लोग है जिनका गर्मी से बुरा हाल हो रहा है खास बात तो यह है कि जब परिसर के नल आते है तभी परिसर की बिजली बंद की जाती है जिस के कारण पीने के लिए पानी भरना नही होता है बिजली बंद होने के कारण परिसर में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रभाग क्रमांक ९ भगतवाड़ी रहवासी सामाजिक कार्यकर्ता शेरा पहेलवान ने परिसर के नागरिकों की समस्सया को देखते हुए डाबकी रोड श्ऍ विभाग को निवेदन भी दिया जिस में उन्होंने एक ही परिसर के साथ जान बूझ कर अन्याय किया जा रहा है ऐसा आरोप लाग्या है निवेदन में महावितरण से विनंती की गयी है कि महावितरण इस गंभीर समस्सया पर ध्यान दे और बिजली बंद न करे निवेदन में परिसर के नागरिकों ने चेतावनी दी है की अगर बिजली जाना बंद नही हुई तो परिसर के २०० से ज़्यादा नागरिक अकोला डाबकी रोड महावितरण पर आकर अपना आक्रोश जताएंगे और तीर्व आंदोलन करेंगे जिस की ज़िम्मेदार अकोला डाबकी रोड महावितरण कंपनी होंगी।अकोला डाबकी रोड MSEB विभाग ने सामाजिक कार्यकर्ता शेरा पहेलवान व परिसर के नागरिकों को आश्वासन दिया है कि वो २, या ३ दिन में इस का हल निकालेंगे और बिजली बंद न करेंगे।